**Seventeenth Loksabha**

an>

Title: Need to enhance the pension of EPF Pensioners -laid.

**श्री कृपाल बालाजी तुमाने (रामटेक):** ई.पी.एफ. पेंशन भोगियों की वर्तमान स्थिति काफी दयनीय है अपने मांगों की पूर्ति के लिए इनके द्वारा समय-समय पर आंदोलन और सरकार को ज्ञापन दिए गए हैं । आज इन आंदोलनों में 60 से 80 वर्ष के बुजुर्ग स्वयं उपस्थित हो रहे हैं । ई.पी.एफ.ओ. में कर्मचारियों का रूपये 55, 000/- करोड़ अनक्लेमड धनराशि लावारिस हालत में पड़ी है जिसे पेंशन फंड में स्थानांतरित कर बुजुर्ग पेंशनरों को जीने लायक पेंशन दी जा सकती है पूर्व एवं वर्तमान केन्द्र सरकार ने इसका कोई संज्ञान नहीं लिया है ।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि इन ई.पी.एफ. पेंशन भोगियों को केन्द्रीय कर्मचारियों की भांति न्यूनतम पेंशन रुपये 9,000/- मासिक व मंहगाई भत्ता के साथ वर्ष 2013 से भगत सिंह कोशियारी समिति की रिपोर्ट जो सरकार के पास लंबित है, उसको तुरंत लागू किया जाए, ई.पी.एस. एक्ट-95 के पैरा 32 के अनुसार वार्षिक मूल्यांकन का प्रावधान है उसे वर्ष 2000 से बंद किया गया है अतः वर्ष 2000 से अब तक किये गए वार्षिक मूल्यांकन का लाभ सहित ई.पी.एस.-95 के पेंशनरों को चिकित्सा व जीवन बीमा का लाभ दिया जाए और न्यूनतम पेंशन पर रीडयुसड न किया जाए ।